JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

(DEEMED UNIVERSITY)

RESEARCH ELIGIBILITY TEST (RET) - 2018

PAPER – II (CONCERN SUBJECT)

SANSKRIT

DATE OF EXAMINATION : AUGUST 02, 2018

ROLL NO. : **SIG. OF INVIGILATOR**

TIME : 01.30 HOURS **MARKS : 50 X 3 = 150**

NOTE :

1. All questions are compulsory and of objective type. / सभी प्रश्न अनिवार्य एवं वस्तुनिष्ठ हैं।
2. All questions carry equal marks. / सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. Only one answer is to be given for each question./प्रत्येक प्रश्न का एक ही उत्तर देना है।
4. If more than one answer is marked, it would be treated as wrong answer. / एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जायेगा।

1. इचुयश का उच्चारण स्थान है –

(अ) दन्त (ब) तालु

(स) मूर्धा (द) ओष्ठ

( )

2. पद का लक्षण है –

(अ) समासयुक्तम् (ब) सन्धियुक्तम्

(स) सुप्तिङन्तम् (द) योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तम्

( )

3. सह, साकं, सार्धं योग से यह कारक होता है –

(अ) करण (ब) कर्ता

(स) सम्प्रदान (द) कर्म

( )

4. भारतीय आर्य भाषा इतने प्रकार की होती हैं –

(अ) चार (ब) तीन

(स) दो (द) पांच

( )

5. परः सन्निकर्ष है –

(अ) वृद्धिः (ब) संहिता

(स) प्रातिपदिकम् (द) सर्वनामस्थानम्

( )

6. पञ्चानां गङ्गानां समाहारः – इह है –

(अ) द्विगु समास (ब) कर्मधारय समास

(स) तत्पुरूष समास (द) बहुब्रीहि समास

( )

7. यह मूर्धन्य वर्ण है –

(अ) य (ब) ल

(स) ष (द) ह

( )

8. हर्षचरितम् के रचनाकार हैं –

(अ) बाणभट्ट (ब) दण्डी

(स) श्रीहर्ष (द) हर्षदेव

( )

9. पदलालित्य के लिए सुप्रसिद्ध कवि हैं –

(अ) भारवि (ब) माघ

(स) दण्डी (द) भवभूति

( )

10. यह प्रकरण ग्रन्थ है –

(अ) मुद्राराक्षसम् (ब) मृच्छकटिकम्

(स) मालविकाग्निमित्रम् (द) वेणीसंहारम्

( )

11 कादम्बरी इस विधा का ग्रन्थ है –

(अ) आख्यायिका (ब) कथा

(स) परिकथा (द) कथानिका

( )

12. स्वाहा शब्द के योग से कौन सी विभक्ति होती है?

(अ) पञ्चमी (ब) चतुर्थी

(स) सप्तमी (द) प्रथमा

( )

13. यह काव्य वीर रस प्रधान है –

(अ) नैषधचरितम् (ब) शिशुपालवधम्

(स) मेघदूतम् (द) रघुवंशम्

( )

14. संस्कृतनाटक में विदूषक कौन से वर्ग से सम्बन्ध रखता है?

(अ) ब्राह्मणवर्ग (ब) क्षत्रियवर्ग

(स) वैश्यवर्ग (द) शूद्रवर्ग

( )

15. नैषधीयचरित में सर्ग संख्या कितने हैं?

(अ) अष्टादश (ब) विंशति

(स) एकोनविंशति (द) द्वाविंशति

( )

16. ईशोपनिषद् कौन से वेद से सम्बन्धयुक्त है?

(अ) ऋग्वेद (ब) सामवेद

(स) अथर्ववेद (द) यजुर्वेद

( )

17. तत्पुरुष समास में कौन से पद की प्रधानता होती है?

(अ) पूर्वपद (ब) उत्तरपद

(स) अन्यपद (द) उभयपद

( )

18. भाषाविज्ञान की दृष्टि से यह अर्धस्वर है –

(अ) अ (ब) य्

(स) इ (द) अः

( )

19. यह भाषा आर्यभाषा से सम्बन्धित नहीं है –

(अ) प्राकृत (ब) पालि

(स) संस्कृत (द) तमिल

( )

20. संस्कृत वाङ्मय में करूणरस के विशिष्ट कवि कौन हैं?

(अ) कालिदास (ब) बाणभट्ट

(स) अश्वघोष (द) भवभूति

( )

21. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के रचनाकार हैं –

(अ) बाणभट्ट (ब) भवभूति

(स) भास (द) भट्टनारायण

( )

22. यह कृति विशाखदत्त की है –

(अ) मुद्राराक्षसः (ब) रत्नावली

(स) विक्रमोर्वशीयम् (द) किरातार्जुनीयम्

( )

23. ट–वर्ग का उच्चारणस्थान क्या है?

(अ) तालु (ब) मूर्धा

(स) दन्त (द) जिह्वामूल

( )

24. सांख्यकारिका के कर्ता हैं –

(अ) सदानन्द (ब) ईश्वरकृष्ण

(स) सुरेश्वर (द) गौतम

( )

25. वेदान्तसार ग्रन्थ के रचनाकार हैं –

(अ) कपिलमुनि (ब) सदानन्द

(स) सुरेश्वर (द) शङ्कराचार्य

( )

26. मेघदूत काव्य में यक्ष की निवासभूमि कहां है?

(अ) रामगिरी (ब) हिमालय

(स) अलका (द) मानससरोवर

( )

27. यह कालिदास की कृति नहीं है –

(अ) किरातार्जुनीयम् (ब) मेघदूतम्

(स) कुमारसम्भवम् (द) विक्रमोर्वशीयम्

( )

28. व्याकरण शास्त्र की दृष्टि से त्रिमुनि में ये सम्मिलित नहीं हैं –

(अ) पाणिनि (ब) भर्तृहरि

(स) कात्यायन (द) पतञ्जलि

( )

29. वाक्यपदीय के रचनाकार हैं –

(अ) यास्क (ब) पतञ्जलि

(स) भर्तृहरि (द) रूद्रट

( )

30. हेमचन्द्र विरचित व्याकरण ग्रन्थ का नाम है –

(अ) हैमी व्याकरणम् (ब) जैनेन्द्र व्याकरणम्

(स) सिद्ध–हेम शब्दानुशासनम् (द) अष्टाध्यायी

( )

31. काव्यालङ्कार के रचनाकार हैं –

(अ) वामन (ब) राजशेखर

(स) भट्टोजी दीक्षित (द) मम्मट

( )

32. यह मूल रूपक नहीं है –

(अ) प्रकरण (ब) व्यायोग

(स) सट्टक (द) प्रहसन

( )

33. नाट्यशास्त्र की दृष्टि से सन्धि कितने प्रकार की होती है?

(अ) पञ्च (ब) सप्त

(स) नव (द) दश

( )

34. यह भास विरचित नाटक नहीं है –

(अ) स्वप्नवासवदत्तम् (ब) अविमारक

(स) कुमारपालचरितम् (द) प्रतिमानाटकम्

( )

35. प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् के रचयिता हैं –

(अ) भास (ब) कालिदास

(स) माघ (द) भोज

( )

36. अर्थशास्त्र के रचयिता हैं –

(अ) हर्ष (ब) कौटिल्य

(स) व्यास (द) महाप्रज्ञ

( )

37. चम्पूकाव्य का लक्षण है –

(अ) गद्यात्मक (ब) पद्यात्मक

(स) गद्य–पद्यमय (द) काव्यहीनता

( )

38. प्राचीनतम छन्द ग्रन्थ है –

(अ) छान्दस् (ब) छन्दःसूत्र

(स) छन्दोमञ्जरी (द) छन्दोऽनुशासनम्

( )

39. वेद में छन्द की संख्या है –

(अ) पांच (ब) छह

(स) सात (द) दश

( )

40. यह एक ऐतिहासिक काव्य है –

(अ) मेघदूतम् (ब) राजतरङ्गिनी

(स) नैषधचरितम् (द) कादम्बरी

( )

41. राजतरङ्गिनी के रचयिता हैं –

(अ) बिल्हन (ब) शूद्रक

(स) कल्हन (द) रुय्यक

( )

42. बुद्धचरित के रचनाकार हैं –

(अ) अश्वघोष (ब) बुद्धघोष

(स) दिङ्नाग (द) भवभूति

( )

43. द्व्याश्रय काव्य का उदाहरण है –

(अ) उत्तररामचंरितम् (ब) कुमारसम्भवम्

(स) भट्टिकाव्यम् (द) किरातार्जुनीयम्

( )

44. मृच्छकटिकम् है एक –

(अ) नाटक (ब) प्रहसन

(स) प्रकरण (द) भान

( )

45. शिशुपालवधम् के रचनाकार हैं –

(अ) माघ (ब) भर्तृहरि

(स) विष्णुगुप्त (द) भट्टनारायण

( )

46. शिशुपालवध महाकाव्य में सर्ग संख्या हैं –

(अ) 10 (ब) 20

(स) 14 (द) 15

( )

47. कश्चित्कान्ता विरहगुरूणा – यह पङ्क्ति इस काव्य की है –

(अ) रघुवंशम् (ब) हर्षचरितम्

(स) कुमारसम्भवम् (द) मेघदूतम्

( )

48. वसन्तसेना इस नाटक की नायिका है –

(अ) विक्रमोर्वशीयम् (ब) मृच्छकटिकम्

(स) प्रतिमानाटकम् (द) मुद्राराक्षसम्

( )

49. यह कृति कालिदास की नहीं है –

(अ) ऋतुसंहार (ब) मेघदूतम्

(स) मालतीमाधवम् (द) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

( )

50. कादम्बरी के रचनाकार हैं –

(अ) भवभूति (ब) बाणभट्ट

(स) राजशेखर (द) भास

( )

●●●